

'अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवायें पहुँचाना हमारी प्राथमिकता'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में अधिकारियों को निर्देश दिये

जयपुर, 19 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हम अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचा सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आमजन से सीधे तोर पर जुड़ा हुआ विभाग है, इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी राज्य सरकार की सभी बजटीय घोषणाओं को प्रभावी कार्यायोजना के साथ त्वरित गति से पूरा किया जाए, जिससे 'आणपो स्वस्थ राजस्थान' की संकल्पना साकार हो।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवरस भी मौजूद थे। उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगभग 48 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया मिशन मोड पर चल रही है तथा अब तक लगभग 8 हजार पदों पर नियुक्तिवादी दी जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे शहरों और कस्बों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेशभर में आयुष्मान मांडल सी.एच.सी. बनाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आरुष्यमान आरुष्य योजना के तहत पीडिएडिआर पैकेज शामिल करने, कुछ पैकेज की दरों को तर्कसंगत बनाने तथा पोस्टिडिआर सुविधाओं को शामिल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना में जो नए प्रावधान जोड़े जाए हैं, उनका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

शर्मा ने कहा कि चिकित्सा विभाग



मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवरस तथा मुख्य सचिव सुधांशु पंत के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

■ इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवरस के साथ सुधांशु पंत, शिखर अग्रवाल, अखिल अरोड़ा, आलोक गुप्ता, गायत्री राठौड़, अम्बरीशा कुमार, भारती दीक्षित, प्रियंका प्रोस्वामी, नेहा गिरी, इकबाल खान, शाहीन अली, रवि प्रकाश माथुर आदि वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

के अधीन संचालित राजस्थान मेडिकल कार्डिनल, पैरा मेडिकल कार्डिनल सहित अन्य सभी संस्थाओं के कामकाज की नियमित समीक्षा की जाए तथा किसी भी तरह की अनियमितता पाई जाने पर उचित कार्यवाही की जाए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गायत्री ए. राठौड़ ने चिकित्सा विभाग की

उन्मुलन मिशन के तहत स्क्रूनिंग में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांशु पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, शासन सचिव चिकित्सा अम्बरीशा कुमार, मिशन निदेशक एन.एच.एम. डॉ. भारती दीक्षित, सी.ई.ओ. स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी प्रियंका प्रोस्वामी, प्रबंध निदेशक आर.एम.एस.सी. नेहा गिरी, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा इकबाल खान, निदेशक आई.ई.सी. शाहीन अली खान, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

समझाने के लिए किया जाता है। हम जोर देकर कह रहे हैं कि होटल के सी सी टी वी कैमरे तथा आस-पास के क्षेत्र की चैकिंग करा ली जाए। केंद्र सरकार की ओर से दी गई गाइडलाइन्स को भी शामिल किया जाए। दरअसल पिछली सुनवाई पर न्याय मित्र की ओर से कहा था कि अदालत के कई आदेशों के बाद भी कोई परिणाम सामने नहीं आए है। इसलिए अदालत गाइडलाइन्स बनाकर उनकी प्रभावी क्रियान्वित के लिए सख्ती बरते। इसके अलावा केन्द्र सरकार की ओर भी कहा था कि उन्होंने गाइडलाइन्स बनाकर 16 जनवरी 2024 को राज्य सरकार को दे दी। इनमें कोचिंग इंस्ट्रुक्शन के लिए कई प्रावधान बनाए हैं और इनकी सख्ती से पालना करवाई जाए।

नई दिल्ली के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
ने कम्पनी के इस दावे को स्वीकार किया कि प्रोजेक्ट टैक्नीकली और वित्तीय रूप से पूरा करने योग्य नहीं है। उसने भी आर्बिटर के आदेश को कायम रखा और राज्य सरकार को मय ब्याज अपफ्रंट प्रीमियम लौटाने के लिए कहा। हाईकोर्ट के प्रिंसिपल सैक्रेटरी (पावर) को यह निर्देश भी दिया कि वे पता लगाएं कि किन अफसरों की वजह से सारी गड़बड़ी हुई है। कोर्ट ने 6 दिसम्बर को अगली सुनवाई में रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। राज्य के एडवोकेट जनरल अनूप रट्टन ने राज्य सरकार की तरफ से हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील फाइल की है, जिस पर इस माह के अंत तक सुनवाई हो सकती है।

संसद सत्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
अलावा, संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुराने संसद भवन के संविधान सदन में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

कैलाश मानसरोवर यात्रा अगले वर्ष से

■ भारत-चीन सीमा पर सामान्य स्थिति की बहाली के बाद दोनों देशों में सीधी उड़ानें भी शुरू होंगी।

नयी दिल्ली, 19 नवंबर। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सामान्य स्थिति की बहाली के बाद, दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें और अगले वर्ष से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सी.पी.सी.) के राजनीतिक ब्युरो के सदस्य तथा विदेश मंत्री वांग यी के बीच जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर ब्राजील के रियो डि जनेरियो शहर में मुलाकात के दौरान, दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने माना कि हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी ने शांति और स्थिरता बनाए रखने में योगदान दिया है। चर्चा भारत-चीन संबंधों में अगले कदमों पर केन्द्रित रही। इस बात पर सहमति हुई कि विशेष प्रतिनिधियों और विदेश सचिव-

उप मंत्री तंत्र की एक बैठक जल्द ही होगी। दोनों पक्षों के बीच जिन कदमों को उठाने के बारे में चर्चा हुई, उनमें कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रा को फिर से शुरू करना, सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करना, भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें और मीडिया आदान-प्रदान शामिल थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वैश्विक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर, विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच मतभेद और समानताएँ दोनों हैं। हमने ब्रिक्स और एस.सी.ओ. ढांचे में रचनात्मक रूप से काम किया है। जी 20 में भी हमारा सहयोग स्पष्ट रहा है।

खड़गे ने राष्ट्रपति से मणिपुर में हस्तक्षेप का आग्रह किया

नयी दिल्ली, 19 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मणिपुर की हिरा को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया और कहा कि डेढ़ साल से जारी हिंसा से लोगों का जीवन तबाह हो गया है और उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रपति के हस्तक्षेप से वहां शांति बहाली होगी।

खड़गे ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार के रवैये के कारण मणिपुर में हिंसा के कारण लोगों का जीवन बहुत कठिन हो गया है।

राज्य में 540 से ज्यादा दिनों से हिंसा का तांडव चल रहा है और प्रधानमंत्री तथा राज्य के मुख्यमंत्री लोगों की समस्या को सुलझाने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं।

नाबालिग से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
अभियुक्त ने नाबालिग की सहमति से संबंध बनाए तो भी इसे अपराध की श्रेणी में ही माना जाएगा।

अभियोजन पत्र की ओर से विशेष लोक अभियोजक ललिता संजीव महरवाल ने अपने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता की मां ने 7 अप्रैल, 2022 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी 16 साल की बेटी स्कूल के बाद सहेली के साथ जाने का कहकर कई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। उसे आसपास और रिश्तेदारों के तलाश किया, लेकिन उनका पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि फरवरी, 2021 को नेमदीन ने उसे एकांत में मिलने बुलाया था। इसके बाद वह अक्सर मिलने लगा। इस दौरान नेमदीन ने कई बार उससे संबंध बनाए वही अप्रैल, 2022 को उस उसके साथ बस में बैठकर जयपुर से हिम्मतनगर पहुंच गई। बस में नेमदीन ने उससे संबंध बनाए वही उन्हें पता चला कि उन्हें तो महाराष्ट्र वाले हिम्मत नगर जाना था, लेकिन वे गुजरात के हिम्मत नगर आ गए। इसके बाद वह बस से देवास चले गए। जहां तक होने पर पुलिस ने उनसे पूछताछ की और उसके परिजनों को सूचना भेज दी। इस पर उसके परिजन व पुलिस आकर उसे ले गई।

न्यूक्लियर हमले के लिए रूस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
मिसाइलों की गतिविधियों का विश्लेषण किया और निष्कर्ष निकाला कि ये हथियार रूस के अन्दरूनी क्षेत्रों तक नहीं पहुंच सकते थे, जब तक कि कोई अन्य सैन्य शक्ति सक्षम रूप से इन्हे गाइड ना कर रही हो। इन मिसाइलों का प्रयोग केवल सटीक खूफिया जानकारी और दिशा निर्देशों पर ही आधारित हो सकता है।

रूस के लिए मुश्किल यह है कि, अब यह स्पष्ट नहीं है कि, गिरफ्तारी से बचे बिना पुतिन भारत की यात्रा कैसे कर सकते हैं, क्योंकि, ऐसा करना भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दायित्व का उल्लंघन होगा।

रूस के आक्रामक रुख में अचानक तेजी आने की वजह है अमेरिका के जाने वाले राष्ट्रपति जो बाइडन, जिन्होंने अचानक ही यह निर्णय ले लिया कि अमेरिका द्वारा दिए जा रहे हथियारों का यूक्रेन रूस की धरती पर उपयोग कर सकता है। बाइडन का यह कदम आगामी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के लिए भी संकट का एक कारण बन सकता है। रूस का नया सिद्धांत अब विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा पैदा की गई परिस्थिति से निपटने के लिए किया गया है, जैसे ही उन्होंने, किसी भी अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले सके थे, ना ही, चीन की कुछ एक यात्राओं को छोड़कर, किसी विदेशी यात्रा पर जा सके थे, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय ने गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया हुआ है। वो दिल्ली जा सके, 20 अक्टूबर में भाग लेने नहीं जा सके, क्योंकि, जैसे ही वो भारत की धरती पर कदम रखते, वैसे ही अनिवार्य रूप के अधिकारियों को उन्हें गिरफ्तार करना पड़ता।

अब यह स्पष्ट नहीं है कि, गिरफ्तारी से बचे बिना पुतिन भारत की यात्रा कैसे कर सकते हैं, क्योंकि, ऐसा करना भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दायित्व का उल्लंघन होगा।

रूस के आक्रामक रुख में अचानक तेजी आने की वजह है अमेरिका के जाने वाले राष्ट्रपति जो बाइडन, जिन्होंने अचानक ही यह निर्णय ले लिया कि अमेरिका द्वारा दिए जा रहे हथियारों का यूक्रेन रूस की धरती पर उपयोग कर सकता है। बाइडन का यह कदम आगामी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के लिए भी संकट का एक कारण बन सकता है। रूस का नया सिद्धांत अब विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा पैदा की गई परिस्थिति से निपटने के लिए किया गया है, जैसे ही उन्होंने,

बुधवार को ऊर्जा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश, विकास एवं विस्तार की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के निर्देशन में ऊर्जा क्षेत्र में अधिकाधिक निवेश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश में विकास को गति मिलने के साथ ही अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर उपलब्ध होंगे। राजस्थान में सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेशकों का पसंदीदा डैस्टिनेशन बने।

'मोदी जी किस तिजोरी से पांच...'

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
देने के लिए विराड आ रहे हैं। मैंने सोचा कि उन जैसा राष्ट्रीय नेता इतना तुच्छ काम करने के निम्न स्तर तक नहीं उतरेंगे। लेकिन मुझे वो वहां दिखाई दिये। मैं चुनाव आयोग से भावना तथा तावड़े के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग करता हूँ।

कांग्रेस ने तावड़े के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। ए. आई. सी. सी. की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेट ने कहा कि चुनाव उपयोग को इस कथित कृत्यों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, "नालासोपरा के विधायकों को एक मीटिंग हो रही थी। हम मतदान वाले दिन आदर्श आचार संहिता का खयाल रखने की चर्चा कर रहे थे, वोटिंग मशीन किस तरह सील की जायेगी, तथा अगर आपत्ति करनी है तो उसकी प्रक्रिया क्या होगी। मैं वहां उन लोगों को यह सब बताने गया था। (बहुजन विकास अघाड़ी) पार्टी कार्यकर्ताओं-अप्पा ठाकुर तथा क्षितिज ने समझा कि हम कैसे बंट रहे हैं। चुनाव आयोग और पुलिस जांच कर लें, सी. सी. टी. वी. फुटेज ले लें। मैं 40 साल से पार्टी में हूँ। अप्पा ठाकुर और क्षितिज

मुझे जानते हैं, पूरी पार्टी मुझे जानती है। फिर भी, चुनाव आयोग निष्पक्ष जांच करा ले।"

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, पूर्णिमा चोगुले ने कहा कि इस मामले में दो एफ.आई.आर दर्ज कराई गई हैं।

चोगुले ने मीडिया को बताया, "मामला और बहुजन विकास अघाड़ी कार्यकर्ता यहाँ विधिमंजिलों पर मौजूद थे। कुछ धनराशि तथा कुछ डायरियाँ यहाँ से बरामद हुई हैं। दो एफ.आई.आर. दर्ज हुई हैं तथा गैर कानूनी रूप से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजन को लेकर तीसरी एफ आई आर दर्ज कराई जा रही है। स्थिति नियंत्रण में है।"

इसी बीच, भाजपा सांसद तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इन आरोपों को निराधार बताया है।

उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में, एम. वी. ए. ने एक आखिरी कोशिश के रूप में एक निराधार आरोप लगाया है। विनोद तावड़े हमारे राष्ट्रीय नेता हैं तथा पार्टी के कई कार्यो को देखते हैं। (नालासोपरा) क्षेत्र के उम्मीदवार ने उनसे मीटिंग में उपस्थित होने के लिए कहा था। वे उधक से ही गुजर रहे थे, इसलिए वे सहमत हो गये। ऐसी मीटिंगों का आयोजन पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदान-प्रक्रिया

समझाने के लिए किया जाता है। हम जोर देकर कह रहे हैं कि होटल के सी सी टी वी कैमरे तथा आस-पास के क्षेत्र की चैकिंग करा ली जाए। केंद्र सरकार की ओर से दी गई गाइडलाइन्स को भी शामिल किया जाए। दरअसल पिछली सुनवाई पर न्याय मित्र की ओर से कहा था कि अदालत के कई आदेशों के बाद भी कोई परिणाम सामने नहीं आए है। इसलिए अदालत गाइडलाइन्स बनाकर उनकी प्रभावी क्रियान्वित के लिए सख्ती बरते। इसके अलावा केन्द्र सरकार की ओर भी कहा था कि उन्होंने गाइडलाइन्स बनाकर 16 जनवरी 2024 को राज्य सरकार को दे दी। इनमें कोचिंग इंस्ट्रुक्शन के लिए कई प्रावधान बनाए हैं और इनकी सख्ती से पालना करवाई जाए।

RISING RAJASTHAN
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

एनर्जी सेक्टर प्री-समित

Empowering Rajasthan: Unlocking the State's Energy Potential

दिनांक: 20 नवंबर 2024

कार्यक्रम स्थल: होटल मैरियट, जयपुर

मुख्य अतिथि: माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा

महाराष्ट्र की पांच सीटों पर लड़े जा रहे हैं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
चुके हैं, जिनमें सूचना-प्रसारण राज्य मंत्री तथा जहाजराजी मंत्री पद भी शामिल हैं।

इस सीट पर, आदिट्य ठाकरे ने 2019 के अपने पहले ही चुनाव में 89,248 वोट हासिल कर जबरदस्त जीत हासिल की थी तथा अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी एन.सी.पी. के सुरेश माने, जो केवल 21,821 वोट पा सके थे, को बहुत पीछे छोड़ दिया था। ठाकरे ने कोविड-19, महामारी के दौरान अपनी सेवा समर्पण के फलस्वरूप अपनी विशिष्ट पहचान बनाई थी। उन्होंने कोविड-पॉजिटिव मरीजों को सरकारी अस्पतालों में भर्ती किये जाने पर व्यक्तिगत ध्यान एवं तबज्वो दी थी।

हालाँकि एम.एम.एस. का जनाधार अपेक्षाकृत छोटा है, लेकिन सन्दीप देशपाण्डे स्थानीय मुद्दों, खासतौर से इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं आवासन, पर फोकस के लिये जाना-पहचाना नाम हैं। उनके सीधे सम्पर्क तथा नागरिकों से जुड़े मामलों में उनके सामने, खासतौर से वेल्लों के मराठीभाषी मतदाताओं के बीच उन्हें लोकप्रिय बना दिया है।

महाराष्ट्र की दूसरी अति महत्वपूर्ण सीट है, बारामती जहाँ हाल ही के लोकसभा चुनावों से काफी मिलता-जुलता, पवार परिवार की बीच का

चुनावी युद्ध एक बार देखने को मिल रहा है। इस बार, शरद पवार के भाई के पौत्र पुत्र युगेन्द्र पवार उपमुख्यमंत्री अजित पवार को चुनौती दे रहे हैं। एन.सी.पी. (एस.पी.) अपने इस परम्परागत गढ़ में युगेन्द्र के लिये पूरा जोर लगा रही है।

युगेन्द्र अपने दादा शरद पवार के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में चुनावी राजनीति के दरवाजे पर प्रवेश के लिये दस्तक दे रहे हैं। इससे पहले, लोकसभा चुनावों के प्रचार में उन्होंने अपनी बुआ सुप्रिया सुले के चुनाव-प्रबन्धन में मुख्य भूमिका निभाई थी। वे शरद पवार द्वारा स्थापित शैक्षिक संस्था "विद्या प्रतिष्ठान" के कोषाध्यक्ष भी हैं।

दूसरी तरफ अजित पवार इस चुनाव क्षेत्र के निर्वाचक नेता रहे हैं। 1991 से लेकर अब तक, वे यहाँ से लगातार निर्वाचित होते आ रहे हैं। ज्ञातव्य है कि 1991 में, शरद पवार ने कांग्रेस छोड़कर अपनी नई पार्टी एन.सी.पी. गठित कर ली थी। वर्ष 2019 में, अजित पवार ने इस सीट पर करीब 1.95 वोट, जो डाले गये कुल वोटों के 83.24 प्रतिशत हासिल कर जबरदस्त जीत हासिल की थी।

तीसरी महत्वपूर्ण सीट है मुम्बई की ब्रॉन्ड इस्ट जहाँ जीशान सिद्दीकी तथा वरुण सरदेसाई के कॉट की टक्कर है। जीशान सिद्दीकी, जिन्हें युवा

मतदाताओं का जबरदस्त समर्थन हासिल है, सोशल मीडिया पर लोगों के साथ सक्रिय जुड़ाव, तथा स्थानीय मुद्दों के समाधान के लिये आगे रहने के लिये जाने जाते हैं। उन्हें महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तथा अपने पिता, बाबा सिद्दीकी की हत्या के कारण सहानुभूतिजनित वोट भी मिल सकते हैं।

दूसरी तरफ, उद्धव ठाकरे के भतीजे वरुण सरदेसाई 2022 में शिवसेना के टूटने के दौरान शिव सेना (यू.वी.टी.) के जबरदस्त समर्थक रहे थे। बांद्रा क्षेत्र में उनकी अच्छी-खासी पैठ है तथा उन्हें शिव सेना के पारम्परिक जनाधार का समर्थन मिलने की काफी उम्मीद है।

राज्य की चौथी महत्वपूर्ण सीट, नागपुर दक्षिण पश्चिम पर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस लगातार चौथी बार जीतने तथा अपने इस गढ़ का प्रतिनिधित्व करने के उद्यत नजर आ रहे हैं। वे 2009 से लगातार तीन बार जीतते हुये, नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। 2019 के चुनावों में, फडनवीस ने यह सीट 49,000 से अधिक वोटों से जीती थी। इस क्षेत्र में उनके प्रभाव के पीछे उनका विस्तृत राजनैतिक कैरियर, विकास सम्बन्धी पहल तथा भाजपा का मजबूत संगठनात्मक समर्थन रहा है।

दूसरी तरफ, कांग्रेस पार्टी के प्रफुल्ल गुडाड़े हैं, जो स्थानीय परिवेश में अपनी गहरी जड़ों तथा अपने जमीनी स्तर के सम्पर्कों के लिये जाने-माने व्यक्ति हैं। वे भाजपा से पैदा हो चुकी अब या वर्तमान शासन प्रशासन से असन्तुष्टि का लाभ मिल सकता है। उन्हें शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर, सार्वजनिक सेवाओं तथा भाजपा की आर्थिक नीतियों के कारण पैदा हुई चिन्ताओं से त्रस्त मतदाताओं के समर्थन का लाभ मिल सकता है।

राज्य की पाँचवी महत्वपूर्ण सीट, कोपरी-पंचपखड़ी है। ठाणे जिले के इस सीट पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्डे का मुकाबला केदार दिघे से है, जो शिन्डे के राजनैतिक गुरु स्व. आनन्द दिघे के भतीजे हैं। आनन्द दिघे शिव सेना के जाने-माने नेता थे।

शिन्डे अक्सर आनन्द दिघे का जिक्र करते हुये, उन्हें अपना राजनैतिक मार्गदर्शक बताते हैं। दिघे से उनका जुड़ाव बहुत गहरा रहा है। राष्ट्रीय अवाइ विजेता फिल्म निदेशक प्रसाद ओक द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म "धर्मवीर-2" की फायनेंसिंग इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

दिघे के जीवन पर आधारित यह फिल्म शिवसेना के इस स्वर्गीय दिग्गज एवं उसकी विरासत से शिन्डे के गहरे जुड़ाव को पूरी तरह उजागर करती है।